CMYK
Website : www.highwaychannel.in
छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार
# हाईवे चैनल
▫ वर्ष- 27 ▫ अंक- 233 ▫ रायपुर, रविवार 15 सितम्बर 2024 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

## नगरीय निकाय चुनाव को लेकर फंसा पेच, दावेदार बेचैन

### नए निकायों में चुनावी इंतजार हुआ लंबा

**रायपुर, 15 सितंबर (हाईवे चैनल)।** नगरीय निकाय चुनाव को लेकर स्थिति साफ नहीं हो पा रही है अभी भी पेच फंसा हुआ है कि चुनाव नवंबर दिसंबर में होंगे की फरवरी मार्च में इधर दावेदारों की बेचैनी लगातार बढ़ती जा रही है दिसंबर में चुनाव को लेकर दावेदार लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं ऐसे में यदि चुनाव में देरी होती है तो उनके लिए यह नुकसान देय साबित हो सकता है और ऐसे में हर कार्यक्रम में दावेदार शामिल हो रहे हैं और उनके जेब पर भी बोझ बढ रहा है चुनाव में यदि और देरी हुई तो उनके जेब का भार और बढ़ जाएगा। किसी भी लोकतंत्र के लिए सही समय में चुनाव होना उचित माना जाता है। जिस तरह से प्रशासक वाली बात सामने आ रही है वह उचित नहीं साधन संसाधन होने के बावजूद प्रशासक लोगों की पहली पसंद नहीं होती लोकतंत्र में लोग चुने हुए जन प्रतिनिधि को पसंद करते हैं। यही लोकतंत्र की खूबसूरती है।

आपको बता दे कि इस बार होने वाले नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अभी भी लोगों के मन में संसय की स्थिति बनी हुई है वहीं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि चुनाव कब होंगे ऐसे में दावेदारों से लेकर जनप्रतिनिधियों में बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है एक तरफ जहां दावेदार वार्ड से लेकर शहर में सक्रिय नजर आ रहे हैं वहीं चुनाव में देरी की खबर उनको गंभीर करने वाला साबित हो रहा है दावेदारों द्वारा लगभग तैयारी पूरी कर ली गई है ऐसे में चुनावी देरी से उनका भार बढ़ जाएगा इसके साथ ही पिछली सरकार में बहुत से नए नगरीय निकाय बनाए गए हैं जहां लगभग दो साल से प्रशासक द्वारा नगरीय निकाय का संचालन किया जा रहा है जो स्पष्ट तौर पर जनप्रतिनिधियों के हितो का हनन है क्योंकि इन नगरीय निकायों में अभी तक चुनाव नहीं हो पाया है इन निकायों में पहली बार चुनाव होने हैं जिसका इंतजार बेसब्री से दावेदारों के साथ-साथ आम जनता को भी है आम जनता भी पहली बार नगरीय निकाय चुनाव में हिस्सा लेने के लिए बेचैन नजर आ रही है जनता के मन में शहरीकरण को

लेकर उत्साह का माहौल दिखलाई पड़ रहा है लेकिन इस बार कहीं ना कहीं राज्य निर्वाचन आयोग की कार्य शैली ने सभी चीजों पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा अभी तक किसी भी प्रकार की जानकारी नगरीय निकाय या पंचायत चुनाव को लेकर नहीं दी गई है लोगों के मन में संसय की स्थिति बनी हुई है।

वहीं दूसरी तरफ वन नेशन वन इलेक्शन के तहत नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव को एक साथ करने की बाते कहीं जा रही है जो कि संभव नजर नहीं आती साधन संसाधन से लेकर कर्मचारियों की कमी भी साफ तौर पर नजर आती है जिसे कहीं ना कहीं चुनाव प्रभावित हो सकता है।

### चुनाव में ओबीसी सर्वे को बताया जा रहा है सबसे बड़ा रोडा

*नगरीय निकाय चुनाव को लेकर आरक्षण की प्रक्रिया अभी तक नहीं हो पाई है जबकि सितंबर में आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए थी ऐसे में जो बातें सामने आ रही है आरक्षण को लेकर उसमें सबसे बड़ा रोडा ओबीसी सर्वे को बताया जा रहा है ओबीसी सर्वे के आधार पर ही आरक्षण किए जाने की बात सामने आ रही है वही ओबीसी सर्वे में साफ तौर पर देरी होते नजर आ रही है अभी तक सर्वे का कम आधा भी नहीं हो पाया है एक तरफ जहां बीएलो काम करने से हाथ खड़ा कर रहे हैं वहीं प्रशासन के पास दूसरा संसाधन नजर नहीं आ रहा है।*

#### कलेक्टर का फरमान 25 तक पूरा करके दे सर्वे

मिली जानकारी के अनुसार पिछले दिनों कलेक्टरों द्वारा एक फरमान जारी किया गया है जिसमें ओबीसी सर्वे को 25 सितंबर तक पूरा करके देने की बात कही गई है एक आदेश जारी कर कहा गया है कि किसी भी तरह से 25 सितंबर तक ओबीसी सर्वे का कार्य पूरा किया जाना है फरमान के मुताबिक छुट्टी के दिन भी कार्य किया जाना है और इसके लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।

#### पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव एक साथ संभव नहीं

विभिन्न जानकारो का मानना है कि प्रदेश में पंचायत व नगरीय निकाय का चुनाव एक साथ संभव नहीं हो सकता एक तरफ जहां प्रशासन के पास साधन संसाधन की कमी है वहीं दूसरी तरफ कर्मचारियों की भी कमी साफ तौर पर नजर आती है प्रदेश में बहुत से स्थान ऐसे हैं जो अति संवेदनशील के साथ-साथ संवेदनशील है ऐसी स्थिति में दोनों ही चुनाव को एक साथ करा पाना मुश्किल नजर आता है।

### सीएम अरविंद केजरीवाल का बड़ा एलान

## दो दिन बाद दूंगा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा

**नई दिल्ली, 15 सितम्बर (न्यूज चैनल)।** सुप्रीम कोर्ट से आबकारी नीति घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई। शुक्रवार को केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। शनिवार को केजरीवाल ने पत्नी संग हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और बजरंगबली का आशीर्वाद लिया। जिसके बाद आज केजरीवाल आप कार्यालय पहुंचे हैं। यहां सीएम आप कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान केजरीवाल ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि वे दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान का हम सभी के ऊपर बहुत आशीर्वाद रहता है। इसी वजह से हम लोग बड़ी-बड़ी मुसीबतों से लड़कर और जीतकर आते हैं। इसके साथ मैं उन लाखों लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने हमारे साथियों के लिए दुआएं की। भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग जेल भेजकर आम आदमी पार्टी को तोड़ना चाहते थे। जेल में रहकर मेरा हौसला बढ़ा है। जेल से एलजी को पत्र लिखा। एलजी को पत्र लिखने पर मुझे धमकी दी गई। परिवार की मुलाकात रोकने की धमकी दी गई।

#### मेरी जगह कोई और सीएम होगा: अरविंद

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती, मैं सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। उन्होंने कहा कि मैं और मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाएंगे। दिल्ली विधानसभा भंग नहीं होगी। मेरी जगह कोई और सीएम होगा।

## केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी को विभीषण बताया, कहा- कोई भी हिन्दुस्तानी विदेश जाकर ऐसा नहीं बोल सकता

**नई दिल्ली, 15 सितम्बर (न्यूज चैनल)।** केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कांग्रेस के वरीय नेता और सांसद राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अपने देश के बारे में दूसरे देशों में यह नहीं बोलना चाहिए था। अपने देश के प्रति सब लोग ईमानदार है, कोई भी देशभक्त ऐसा नहीं कह सकता है। राहुल गांधी अपने देश के नहीं विदेशों के नेता हैं। यही कारण है कि विदेशों में जाकर राहुल गांधी हिंदुस्तान के बारे में ऐसा बोलते हैं। कोई हिन्दुस्तानी ऐसा नहीं बोल सकता है तो राहुल गांधी को भी नही बोलना चाहिए। वह विपक्ष के नेता हैं। उन्हें सांसद में बोलना चाहिए। राहुल गांधी घर का भेदी लंका ढाए वाला काम कर रहे हैं। दरअसल, बीते हफ्ते राहुल की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके दिए बयानों पर जमकर हंगामा मचा रहा। जातिगत जनगणना से लेकर आरक्षण तक के मुद्दे पर विवाद हुआ। भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से उनकी मुलाकात पर सबसे ज्यादा विवाद हुआ।

## कर्नाटक सीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक, कुर्सी की तरफ लपका युवक, सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते दबोचा

**नई दिल्ली, 15 सितम्बर (न्यूज चैनल)।** कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। दरअसल एक कार्यक्रम के दौरान एक संदिग्ध युवक सीएम की कुर्सी की तरफ लपका, लेकिन समय रहते ही सीएम के सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सुरक्षाकर्मियों ने संदिग्ध युवक को पकड़कर पुलिस कौ सौंप दिया। इसके बाद पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद थे। उसी दौरान एक संदिग्ध युवक तेजी से दर्शकदीर्घा से उठकर मंच पर मौजूद सीएम सिद्धारमैया की कुर्सी की तरफ लपका। हालांकि सीएम की सुरक्षा में मौजूद सुरक्षाकर्मी तुरंत खतरे को भांप गए और उन्होंने समय रहते युवक को सीएम की कुर्सी तक पहुंचने से पहले ही दबोच लिया।

## देवास के छह लोगों की बूंदी में मौत, टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, फिर क्रेन से निकाले शव

**नई दिल्ली, 15 सितम्बर (न्यूज चैनल)।** मध्य प्रदेश के देवास जिले से खाटूश्याम बाबा के दर्शन करने जा रहे लोगों की कार जयपुर नेशनल हाईवे पर बूंदी में हादसे का शिकार हो गई। सुबह करीब चार बजे हुए इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि श्रद्धालुओं से भरी इको कार को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू की है। हादसा इतना भयानक था कि पुलिस कार में फंसे शवों को निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। क्रेन की मदद से शव वाहर निकाले गए। बूंदी एसपी उमा शर्मा ने बताया कि सुबह करीब साढ़े चार बजे हादसे की सूचना मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल लोगों को पास के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में घायल हुए मनोज पुत्र रवि नायक निवासी पोखर खुर्द, प्रदीप पुत्र मांगी लाल निवासी धांसड और अनिकेत पुत्र राजेश निवासी बेडाखाल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

CMYK